

## डॉ. ब्रूस वाल्टके, भजन, व्याख्यान 25

© 2024 ब्रूस वाल्टके और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. ब्रूस वाल्टके और भजन की पुस्तक पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र संख्या 25, मसीहाई भजन, भजन 16, भाग दो है।

हम भजन 16 की व्याख्या और व्याख्या करना चाहते हैं। जैसा कि हमने कहा, प्रत्येक दृष्टिकोण के साथ मैंने एक विशेष भजन पर ध्यान केंद्रित किया है। इसलिए ऐतिहासिक के साथ, हमने भजन 4 को देखा, भजनों के साथ, हमने भजन 100 को देखा, विलाप के साथ, हमने भजन 22 को देखा, इत्यादि। हम पहले ही कई मसीहाई स्तोत्रों को देख चुके हैं क्योंकि वे ईसाई धर्म और ईसाई धर्म के लिए महान स्तोत्र हैं।

हमने इन भजनों और अन्य कनेक्शनों को देखा। इसलिए, जैसा कि मैंने कहा, विलाप स्तोत्र के लिए, हमने क्रूस और पीड़ा पर मसीह के महान मसीहाई स्तोत्र को देखा। वह एक शोकगीत है।

वह विशेष रूप से विरोध नहीं कर रहा है, लेकिन वह क्रूस पर कष्ट सह रहा है। हमने धार्मिक अनुष्ठानों के संबंध में भी देखा। हमने भजन 2 और भजन 110 से महान राज्याभिषेक अनुष्ठानों, मसीह के स्वर्गारोहण, और मसीह के उत्कर्ष और परमेश्वर के पुत्र के रूप में उनकी उपाधि को देखा है।

एक और महान भविष्यसूचक भजन भजन 16 है। यह पीटर के पहले उपदेश और यीशु मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान को समझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसका उपयोग पॉल द्वारा यहूदियों को प्रचारित करने में भी किया गया, जैसे एंटीओक और पिसिदिया में।

लेकिन आइए भजन 16 को देखें। सबसे पहले, हमारे पास अनुवाद है। यह डेविड का मिकतम है और मिकतम जैसे इन शैलियों के बारे में हम बिल्कुल निश्चित नहीं हैं।

शायद इसका मतलब शिलालेख है, जिसे प्राचीन संस्करणों में समझा जाता था। इसका क्या मतलब है, शिलालेख? खैर, डेविड का एक लेख। हे एल, मुझे सुरक्षित रख, क्योंकि मैं तेरी शरण में हूँ।

मैं मैं से कहता हूँ, तू ही प्रभु है। तुम्हारे अलावा मेरे पास कोई अच्छी चीज़ नहीं है। जहाँ तक देश में पवित्र लोगों की बात है, सचमुच, वे ही महान लोग हैं जिनसे मैं प्रसन्न होता हूँ।

जब उन्हें कोई दूसरा देवता प्राप्त हो जाएगा तो उनका कष्ट और बढ़ जाएगा। मैं उन पर लहू नहीं चढ़ाऊंगा और न उनका नाम अपने होठों पर लूंगा। मैं हूँ, मेरे प्याले में मेरा आवंटित भाग, तुम मेरा भाग संभालो।

सुखद स्थानों में मेरे लिए सीमा रेखाएँ गिर गई हैं। सचमुच, विरासत मेरे लिए खूबसूरत है। मैं आशीर्वाद दूँगा मैं वही हूँ जो मुझे सलाह देता है।

दरअसल, रात में, मेरी अंतरात्मा, वस्तुतः मेरी किडनी, मुझे निर्देश देती है। मैं 'आई एम' को हमेशा अपने सामने रखता हूँ क्योंकि वह मेरे दाहिने हाथ पर है। मुझे गिराया या हिलाया नहीं जाएगा।

इस कारण मेरा हृदय आनन्दित और मेरा कलेजा मगन है। वस्तुतः, यह यही कहता है। सचमुच, मेरा शरीर सुरक्षित है क्योंकि तुम मुझे कब्र तक नहीं छोड़ोगे।

न ही आप अपने समर्पित को भ्रष्टाचार देखने देंगे। तू मुझे जीवन का मार्ग बताएगा। आप अपनी दाहिनी ओर अनन्त सुखों से अपनी उपस्थिति में मुझे आनंद से भर देंगे।" अगले पृष्ठ पर, पृष्ठ 315 पर, मैं व्याख्या के इतिहास के बारे में कुछ चर्चा करता हूँ।

जैसा कि मैंने कहा, प्रेरित इस भजन को मसीह के पुनरुत्थान की भविष्यवाणी के रूप में देखते हैं। आप इसे पित्तुकुस्त के पतरस के उपदेश में देख सकते हैं। पतरस ने भजन उद्धृत किया और वह उन यहूदियों से कहता है जो यह समझना चाहते हैं कि अन्य भाषाओं और अन्य भाषाओं में बोलने वाले लोगों के साथ क्या हो रहा है।

वे उन्हें यह समझाने की कोशिश करते हैं। डेविड ने यीशु के बारे में कहा, डेविड ने यीशु के बारे में कहा, वह इसे यीशु की भविष्यवाणी के रूप में देखता है। मैंने प्रभु को हमेशा अपने सामने देखा क्योंकि वह मेरे दाहिने हाथ पर है।

मैं डिगूंगा नहीं। इसलिये मेरा हृदय आनन्दित और मेरी जीभ आनन्दित है। मेरा शरीर भी आशा में विश्राम करेगा क्योंकि तुम मुझे मृतकों के लोक में नहीं छोड़ोगे।

तू अपने पवित्र को क्षय होते नहीं देखेगा। तूने मुझे जीवन का मार्ग बताया है। आप अपनी उपस्थिति में मुझे आनंद से भर देते हैं।

पतरस अब समझाता है, हे इस्राएलियों, मैं तुम्हें विश्वास के साथ बता सकता हूँ कि कुलपिता दाऊद की मृत्यु हो गई और उसे दफनाया गया और उसका शरीर आज तक यहां है। परन्तु वह एक भविष्यवक्ता था और जानता था कि परमेश्वर ने उससे शपथ खाई थी कि वह अपने वंशजों में से एक को अपने सिंहासन पर बिठाएगा। यह देखते हुए कि क्या होने वाला था, उसने मसीहा के पुनरुत्थान के बारे में बात की, कि उसे मृतकों के राज्य में नहीं छोड़ा गया था, न ही उसके शरीर में सड़न देखी गई थी।

भगवान ने इस यीशु को पुनर्जीवित किया है और हम सभी इसके गवाह हैं। तो वह इसे एक भविष्यवाणी के रूप में देखता है कि चूँकि वह उसे कब्र में नहीं छोड़ेगा और उसके शरीर में भ्रष्टाचार नहीं दिखेगा, इसलिए, इस मसीहा को कम से कम तीन दिनों के भीतर पुनर्जीवित करना होगा क्योंकि चौथे दिन भ्रष्टाचार शुरू हो जाता है। और इसलिए, वह अधिक से अधिक तीन दिनों के लिए मर जाएगा, अधिकतम राशि।

पॉल भी इसे इसी तरह इस्तेमाल करते हैं। हम आपको खुशखबरी बताते हैं। परमेश्वर ने हमारे पूर्वजों से जो वादा किया था, उसने यीशु को जीवित करके हमारे, उनके बच्चों के लिए पूरा किया है।

इसलिए, यह भी अन्यत्र कहा गया है, आप अपने पवित्र को क्षय नहीं देखने देंगे। अब, जब दाऊद, पॉल समझाता है, अब, जब दाऊद ने अपनी पीढ़ी में परमेश्वर के उद्देश्यों को पूरा किया, तो वह सो गया। उसे उसके पूर्वजों के साथ दफनाया गया और उसका शरीर सड़ गया।

परन्तु जिसे परमेश्वर ने मरे हुएों में से जिलाया, उसका क्षय न देखा। इसलिए, मेरे दोस्तों, मैं चाहता हूं कि आप जानें कि यीशु के माध्यम से पापों की क्षमा की घोषणा की गई है। लेकिन ऐतिहासिक आलोचना के प्रभाव से, पुराने की व्याख्या के लिए नए नियम का उपयोग नहीं किया जाने लगा।

और इस विशेष मामले में, यहां मुख्य शब्द श्लोक 10 में है और यह भ्रष्टाचार शब्द या क्षय शब्द है। और सेप्टुआजेंट, हिब्रू शब्द शचैट है। और सेप्टुआजेंट ने शचैट की व्याख्या भ्रष्टाचार के रूप में की।

लेकिन ऐतिहासिक आलोचना के प्रभाव में, सेप्टुआजेंट की उस परिभाषा को खारिज कर दिया गया है। और इसके बजाय, शचैट शब्द की व्याख्या या अनुवाद गड्डे के अर्थ में किया जाता है। और इसलिए यह एक उम्मीद है कि कम से कम इस संकट में जिसमें वह खुद को पाता है, भजनकार खुद को पाता है, कि वह गड्डे को देखने नहीं जा रहा है, लेकिन वह फिलहाल मौत पर विजय पा लेगा।

लेकिन आखिरकार, वह निश्चित रूप से मर जाएगा। तो, उदाहरण के लिए, यहां एसाव ड्राइवर है, और यह एक एक्सपोजिटर है और वह जितना संभव हो सके इसका सर्वोत्तम उपयोग करने की कोशिश कर रहा है। भजनहार ने भविष्य के जीवन के बारे में स्पष्ट रूप से बात नहीं की।

दूसरे शब्दों में, प्रेरित गलत थे। उनके तर्क, उनके विवाद में कोई दम नहीं रहेगा। भजनहार भविष्य के जीवन के बारे में स्पष्ट रूप से बात नहीं करता है क्योंकि श्लोक 11 में इसका उल्लेख कब्र से परे किसी चीज़ के रूप में नहीं किया गया है।

लेकिन वह मृत्यु पर श्रेष्ठता की आशा व्यक्त करता है, जो उस व्यक्तिगत संबंध पर आधारित है जिसमें वह स्वयं ईश्वर के प्रति खड़ा है और जिस पर वह विश्वास नहीं कर सकता कि वह मृत्यु से बाधित होगी। दूसरे शब्दों में, भजनकार के अनुसार, उसका ईश्वर के साथ बहुत घनिष्ठ व्यक्तिगत संबंध था। और इसलिए, वह यह नहीं सोच सकता कि मृत्यु के कारण उस रिश्ते में हस्तक्षेप होगा, लेकिन यह जारी रहेगा।

इस प्रकार भजन ईसा मसीह के पुनरुत्थान की भविष्यवाणी होने में नहीं, बल्कि एक आदर्श व्यक्त करने में, मृत्यु से श्रेष्ठता की आशा व्यक्त करने में मसीहाई है, जो अनुभव से परे है और मसीह द्वारा पूरी तरह से महसूस किया गया था। लेकिन यह कोई भविष्यवाणी नहीं है कि ईसा

मसीह देखेंगे, क्षय नहीं देखेंगे। यदि यह भावी जीवन की भविष्यवाणी नहीं है, तो उसका रिश्ता मृत्यु से बेहतर तरीके से कैसे जारी रहेगा? यह इस अनुभव में फिलहाल के लिए है।

मैं जानता हूँ कि यह बहुत गड़बड़ है। मुझे डर था कि मेरी कॉफ़ी आज सुबह तक नहीं आई थी। हाँ।

नहीं, मेरे मन में यह उस क्षण के लिए है, यह मृत्यु पर श्रेष्ठता है, वह आत्मविश्वास है। तो, यह एक वर्तमान धारणा है, जैसा कि मैं इसे समझता हूँ, ड्राइवर। हाँ।

दूसरे शब्दों में, उसे विश्वास है कि उस रिश्ते में हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। और इसलिए, वह मृत्यु पर विजयी है और वह आशा में जीता है, लेकिन अंततः वह मरने वाला है। तो, आप देख सकते हैं कि यह नए नियम को कमजोर करता है।

इसमें कहा गया है, तो फिर क्या प्रेरित भजनों की व्याख्या में गलत थे? यह प्रोफेसर ह्यूस्टन और मेरे और ईसाई उपासना के रूप में भजन पर हमारी पुस्तक से बाहर है। ह्यूस्टन कहते हैं, हाँ, ड्राइवर का तर्क है, क्योंकि उन्होंने सेप्टुआजेंट के गलत अनुवाद और भ्रष्टाचार शब्द का उपयोग किया है। मुझे याद है कि एक छात्र के रूप में, हिब्रू में अपने प्रथम वर्ष में, जब मुझे इसका सामना करना पड़ा, तो मुझे वास्तव में नहीं पता था कि इसके साथ क्या करना है क्योंकि उस समय हमारा मानक शब्दकोष ब्राउन, ड्राइवर और ब्रिग्स, एक ही ड्राइवर था।

और यदि आप शचैट के शब्दकोष में देखते हैं, तो आपको जो एकमात्र अर्थ दिया गया है वह है गड़बा। और इसलिए यह अधिकार था और मैं सिर्फ प्रथम वर्ष का छात्र हूँ। और मेरे मन में ऐसा ही है, लेकिन मुझे हमेशा इतना विश्वास रहा है कि मैंने उस विद्वता पर भरोसा नहीं किया जो बाइबल को गलत कहती थी।

मैं वहां कभी नहीं जा सका। मेरे पास हर बात का जवाब नहीं था, लेकिन मुझे पता था कि मैं वहां नहीं जा सकता। यह सिर्फ इतना था कि मेरे अपने विश्वास ने मुझे आगे बढ़ाया।

मेरे पास नहीं था, मेरा मतलब है, अगर मुझे हर चीज़ का उत्तर देना है, तो मेरा एकमात्र तार्किक निष्कर्ष अज्ञेयवादी होना है। मैं विश्वास नहीं कर सकता कि मेरे सभी प्रश्नों का उत्तर मिल गया है। इसलिए, मैं कुछ अस्पष्टता के साथ रहता हूँ।

मेरे पास अभी भी सभी प्रश्नों के उत्तर नहीं हैं, लेकिन मैं इसकी मांग नहीं करता क्योंकि मैं अपनी सीमा को पहचानता हूँ और मैं सामान्य रूप से मानवता की सीमा को पहचानता हूँ। मुझे लगता है कि यह एक दिलचस्प बात है क्योंकि हम, विशेषकर शुरुआती छात्र यह सोचते हैं कि शब्दकोश व्याख्यात्मक नहीं हैं और उन पर भरोसा किया जा सकता है। और ग्रीक में एक महान उदाहरण बीडीएजी में है, एक्सएयर की उनकी परिभाषा हाथ है और यह चलता ही रहता है और चलता ही रहता है।

और अंत में यह उंगली कहता है क्योंकि उड़ाऊ पुत्र की कहानी में, वह अपने बालों में एक अंगूठी डालता है और आप अंगुलियों में अंगूठियां डालते हैं, हाथों में नहीं। लेकिन समस्या यह है

कि इस शब्द का मतलब उंगली नहीं है, लेकिन यह शब्दकोष में है। तो, आप सोचते हैं, ओह, इसका मतलब उंगली होगा।

लेकिन पुराने नियम में यह एक अच्छा उदाहरण है। क्या आपको लगता है कि हिब्रू में ऐसा बहुत होता है जहां शब्दों के अर्थ के बारे में अधिक प्रश्न हैं कि व्यक्तिगत पूर्वाग्रह या व्याख्याएं शब्दकोशों में अधिक प्रतिबिंबित होती हैं? ओह, निस्संदेह, निस्संदेह, इसका मतलब यह है। मैं आपको उसके बारे में और अधिक नहीं बता सकता, लेकिन मुझे पता है कि ऐसा होता है।

इसलिए, शब्दकोश कुछ स्तर पर व्याख्यात्मक होते हैं। किसी स्तर पर. हाँ।

इसीलिए आप हमेशा डेटा में ही रुचि रखते हैं। मैं स्वयं सामंजस्य पर अधिक निर्भर रहता हूँ। इसलिए, उदाहरण के लिए, जब मैंने नीतिवचन पर टिप्पणी लिखी, तो प्रत्येक शब्द, मैंने इसके प्रत्येक उपयोग को देखा, और उसके बाद ही मैंने इसे परिभाषित किया।

इसलिए, मैं वास्तव में शब्द का स्वाद ले सकता था और महसूस कर सकता था और जानता था कि शब्द के प्रति मेरी अपनी भावना थी। हाँ। मुझे लगता है कि बड़े पैमाने पर, वे वस्तुनिष्ठ होने की कोशिश करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इस मामले में, ठीक है, मुझे लगता है कि ड्राइविंग के लिए, उन्हें शायद लगता है कि इस शब्द का गड्ढे के अलावा कोई अन्य अर्थ नहीं है।

यानी, मुझे लगता है कि शायद उसने यही सोचा था। लेकिन मैं उस पर वापस आऊंगा क्योंकि अब जब मैं बन गया हूँ, तो किसी ने मुझसे कहा, मैंने सुना है कि आप पुराने नियम के विशेषज्ञ हैं। मैंने कहा, मुझे नहीं पता कि मैं ऐसा कहूंगा या नहीं, लेकिन कम से कम मुझे इसके लिए भुगतान मिलता है।

तो अब मुझे इसके लिए भुगतान मिलता है। मुझे लगता है कि मैं इसे थोड़ी चुनौती दे सकता हूँ, जिसकी मुझे उम्मीद है। जिम, प्रोफेसर ह्यूस्टन इस उद्धरण को पढ़े बिना यह दिखाने के लिए आगे बढ़ते हैं कि कैसे इसने और भी अधिक इंगील छात्रवृत्ति को प्रभावित किया है।

लेकिन यह वास्तव में नए नियम की शक्ति को छीन लेता है, यहां तक कि इंगील संबंधी टिप्पणियों में भी। अब नए आरएसवी या पुराने आरएसवी और नए आरएसवी में, यह उस शचैट को गड्ढे द्वारा अनुवादित करता है। और निश्चित रूप से, मैं उस समय उपस्थित था, कई साल पहले, मैं एक प्रेस्बिटेरियन यूएसए चर्च में भाग ले रहा था और वे न्यू आरएसवी का उपयोग करते थे।

और इसलिए महिला उपदेशक, वह एक बहुत ही सक्षम संचारक थी। वह इस तक पहुंची, वह यह भजन कर रही थी। उसने इस कविता को पूरी तरह से छोड़ दिया क्योंकि मुझे नहीं लगता कि वह जानती थी कि इस नए आरएसवी के साथ क्या करना है।

वह नहीं जानती थी कि गड्ढे का क्या किया जाए। इसलिए उसने भगवान के साथ इस रिश्ते पर ध्यान केंद्रित किया। लेकिन मुझे लगा कि सच कहूँ तो इसने उनके पूरे उपदेश को बहुत कमजोर कर दिया है।

ठीक है। तो, आइए स्तोत्र पर एक नजर डालें और अंततः हम यह पता लगाएंगे कि हम शचट शब्द को कैसे समझते हैं? क्या इसका मतलब गड्ढा है या इसका मतलब भ्रष्टाचार है? निस्संदेह, सबसे पहली चीज़ जो आप करते हैं, वह है कि आप रूप की तलाश करते हैं और मोटे तौर पर कहें तो यह कविता है। हम जानते हैं कि यह अलंकारों से भरपूर होगा।

इसकी शाब्दिक व्याख्या नहीं की जानी चाहिए। तो, हमारे पास डेविड के पास एक कप, बहुत सारा हिस्सा, सीमा रेखाएं, इत्यादि हैं। यह केवल भाषण के अलंकारों से भरा है।

इसे वर्गीकृत किया जा सकता है। मुझे लगता है कि यह एक प्रार्थना स्तोत्र है क्योंकि यह ईश्वर को संबोधित है। वह कहते हैं कि अनुवाद हमारे सामने होना चाहिए, मुझे सुरक्षित रखें, एल।

यह एल या ईश्वर को संबोधित है। इसकी शुरुआत तुरंत एक याचिका से होती है, जो भगवान से उसे सुरक्षित रखने के लिए कह रही है। दिलचस्प बात यह है कि अधिकांश प्रार्थना स्तोत्र बचाने या वितरित करने के लिए कहते हैं।

वह मृत्यु से छुटकारा पाने के लिए नहीं कह रहा है। वह मृत्यु में सुरक्षित रहने के लिए कह रहा है। दिलचस्प बात यह है कि श्लोक दो में आत्मविश्वास है, मैं कहता हूं, मैं हूं, आप भगवान हैं।

तुम्हारे अलावा मेरे पास कोई अच्छी चीज़ नहीं है। दूसरे शब्दों में, मुझे आप पर पूरा भरोसा है। आपके अलावा मेरे पास भलाई का कोई अन्य स्रोत नहीं है।

फिर श्लोक सात में स्तुति है। वह कहते हैं कि मैं आशीर्वाद दूंगा जो मुझे सलाह देता है। आशीर्वाद का मतलब है कि मैं स्वीकार करता हूं कि आप मेरी सारी अच्छाइयों का स्रोत हैं।

यह स्वीकार करते हुए कि वह ईश्वर के हृदय को आशीर्वाद देता है और भजनकार के साथ अपने रिश्ते में ईश्वर के अनुभव को समृद्ध करता है। लेकिन यह केवल एक याचना स्तोत्र नहीं है क्योंकि इसमें याचना का केवल एक छंद है। इसे अक्सर विश्वास के गीत के रूप में वर्गीकृत किया जाता है क्योंकि मैं कहता हूं, श्लोक एक के अलावा, भजन में आत्मविश्वास और प्रशंसा हावी है।

यह लगभग सारा आत्मविश्वास और प्रशंसा है। तो ऐसा इसलिए है क्योंकि यह लगभग भजन 139 जैसा है। हां, यह अंत में एक प्रार्थना भजन है, लेकिन आपके पास आत्मविश्वास के पूरे तीन छंद थे।

इसलिए कभी-कभी इसे आत्मविश्वास के स्तोत्र के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। लेकिन चौथा, अब हम युगांतशास्त्रीय या मसीहा संबंधी व्याख्या लाते हैं कि यह मसीह और एक भविष्यवाणी का संदर्भ है। इसलिए, हम इसे एक याचिका स्तोत्र के रूप में वर्गीकृत कर सकते हैं।

हम इसे विश्वास और प्रशंसा के गीत के रूप में वर्गीकृत कर सकते हैं, और हम इसे एक मसीहाई भजन के रूप में वर्गीकृत कर सकते हैं। मुझे लगता है कि ये सभी वैध वर्गीकरण हैं। इसके बाद

हम अलंकारिक आलोचना की ओर मुड़ते हैं और अलंकारिक आलोचना अन्य बातों के अलावा एक भजन के तर्क को दर्शाती है।

यहां हमारे पास भजन की रूपरेखा है। इसकी शुरुआत सुरक्षा के लिए इस परिचयात्मक याचिका से होती है, मोक्ष के लिए नहीं। इसके बाद हम प्रशंसा के साथ इस आत्मविश्वास में आ जाते हैं।

स्तोत्र के इस भाग में, स्तोत्र के अधिकांश भाग में दो छंद हैं। सबसे पहले, मृत्यु से पहले विश्वास की स्वीकारोक्ति है। वह दो से आठ श्लोकों में है।

और दूसरी बात, जैसा कि मैं भजन पढ़ता हूं, छंद नौ से 11 में भगवान के प्रति उसकी लाश की प्रतिबद्धता है। देखिए, सबसे पहले, फिर मृत्यु से पहले विश्वास की अपनी स्वीकारोक्ति में, वह वाचा समुदाय के प्रति अपनी वफादारी कबूल करता है। और निःसंदेह, वाचा समुदाय के प्रति उसकी वफादारी ईश्वर के प्रति उसकी वफादारी को मानती है।

मैंने इसे श्लोक दो से चार में वाचा समुदाय के प्रति विश्वास की वफादारी की स्वीकारोक्ति में विभाजित किया है, और श्लोक पांच, छह, सात और आठ में विश्वास और वफादारी का कारण बताया है। वाचा समुदाय के प्रति वफादारी की स्वीकारोक्ति को देखते हुए, मैं हूँ के प्रति उसकी एकमात्र वफादारी से शुरू होता है। वह श्लोक दो है।

वह कहता है कि तुम्हारे अलावा मेरा कोई भला नहीं है। और फिर परमेश्वर के लोगों के प्रति उसकी एकमात्र निष्ठा। पद तीन में, वह परमेश्वर के लोगों से प्रसन्न होता है।

और श्लोक चार में, वह धर्मत्यागियों में शामिल होने से इंकार करता है। तो, आपके पास नकारात्मक सकारात्मक है और आपके पास नकारात्मक है। श्लोक पाँच से आठ तक विश्वास और वफादारी का उनका कारण दोहरा है।

सबसे पहले, उनकी विरासत आई एम से है। वास्तव में, मैं स्वयं उसकी विरासत हूँ। वह उन लेवियों के समान है जिन्हें कोई भूमि विरासत में नहीं मिली, परन्तु उन्हें विरासत में मैं मिला।

लेकिन उस सिलसिले में उनके पास विरासत में मिली संपत्ति भी है। इसके अलावा, उसके पास विश्वास और वफादारी का कारण है, न केवल आई एम से मिली विरासत के कारण, बल्कि आई एम के निर्देश के कारण भी। वह अपने निर्देश के लिए भगवान की स्तुति करता है और वह अपनी उपस्थिति और सुरक्षा के लिए भगवान की स्तुति करता है।

इसके बाद वह शव को भगवान को सौंप देता है, मृत्यु में भगवान की उपस्थिति में उसका विश्वास, और मृत्यु के बाद और हमेशा के लिए भगवान के साथ उपस्थिति का उसका विश्वास यहीं पर समाप्त होता है। मृत्यु में ईश्वर की उपस्थिति का उसका विश्वास, वह भावनात्मक रूप से मृत्यु का सामना करने की खुशी से भरा हुआ है क्योंकि उसका शरीर सुरक्षित है। आयत 10 में कब्र के सन्दर्भ में उसका शरीर सुरक्षित रहेगा।

मृत्यु की ओर जा रहे किसी व्यक्ति के लिए यह एक शानदार स्तोत्र है और आप उसे सांत्वना और आशा देना चाहते हैं। मैं इससे बेहतर भजन नहीं सोच सकता कि वह भगवान के साथ अपने रिश्ते के प्रति आश्वस्त होकर खुशी के साथ कब्र में जाता है। मैं समरूपता और अन्य सामग्री को छोड़ रहा हूँ।

पृष्ठ 318 के निचले भाग पर संदेश यह है कि चुना गया राजा, अर्थात् डेविड, और अपने बेटे, मसीह में पूरा हुआ, उसकी लाश को कब्र के अंदर और बाहर सुरक्षित रखने के लिए एल या ईश्वर से प्रार्थना करता है। उसे विश्वास है कि भगवान उसके शरीर की रक्षा करेंगे ताकि वह हमेशा के लिए उसका आनंद ले सके क्योंकि भगवान ने उसके राजा को चुना था कि वह स्वयं भगवान को उसकी विरासत के रूप में रखे, उसे निर्देश दे और उसके दाहिने हाथ पर रहे। दिलचस्प बात यह है कि इसमें मुख्य संगीतकार को सौंपी गई कोई पोस्टस्क्रिप्ट नहीं है।

न तो भजन 22 और न ही भजन 110, शायद इसलिए कि वे विशिष्ट रूप से भविष्यसूचक और मसीहाई हैं। ठीक है, और अधिक विस्तार में जाकर अनुवाद अपने सामने रखें। शैली एक मिकतम है।

यह शब्द छह बार आता है और उन सभी में, इसका उपयोग याचिका भजनों में किया जाता है जो धर्मी लोगों के उद्धार का जश्न मनाते हैं। लेकिन ऐसा कई, कई भजनों के साथ होता है। तो, निश्चित रूप से इसका मतलब यह नहीं हो सकता है, मेरा मतलब है, यह हो सकता है, लेकिन ये छह और अन्य सभी क्यों नहीं जो इसके समान कुछ कह रहे हैं?

तो, मुझे लगता है कि इसका मतलब एक शिलालेख, लेखन का कुछ रूप है। यह महत्वपूर्ण है कि यह डेविड द्वारा है क्योंकि डेविड भी करिश्माई है, भजन 18, आत्मा डेविड द्वारा बोलता है और भगवान का वचन उसके मुंह में है। आप इसे भजन 18 में देख सकते हैं।

यह 2 शमूएल 22 से एक उद्धरण है। ध्यान दें कि डेविड ने इसकी शुरुआत कैसे की। यह प्रभु के सेवक दाऊद का है।

जब यहोवा ने उसे शाऊल के हाथ से, उसके सब शत्रुओं के हाथ से बचाया, तब उसने इस गीत के शब्द यहोवा के लिये गाए। उसने कहा, हे प्रभु, मैं तुझ से प्रेम करता हूँ, मेरी शक्ति। प्रभु मेरी चट्टान, मेरा गढ़ और मेरा उद्धारकर्ता है।

मेरा परमेश्वर मेरी चट्टान है जिसका मैं शरण लेता हूँ, वह मेरी ढाल और मेरे उद्धार का सींग है। मैंने सोचा कि यहां उनकी प्रेरणा का उल्लेख किया गया है। आइए देखें कि 2 सैमुअल परिच्छेद क्या कहता है।

2 शमूएल 22. आइए देखें। मुझे नहीं लगता।

मुझसे गलती हो गयी। मुझे लगा कि यह वहां है, लेकिन मुझे यह नहीं मिल रहा है। मुझे इसे कहीं और देखना होगा।



यह भजन 18 या सारांश 2 सैमुएल 22 में नहीं है। तो यह मेरी गलती है। मैं यह पता लगाने की कोशिश करूंगा कि यह कहाँ से आता है।

जैसा कि मैंने कहा, उनकी याचिका यह है कि भगवान मुझे सुरक्षित रखेंगे। और वहाँ आपके पास हिब्रू में शमरिनी है। अपनी बात रखने का अर्थ है किसी व्यक्ति या वस्तु पर बहुत अधिक ध्यान रखना।

यह माना जाता है कि वह गंभीर खतरे में है। वह भगवान से प्रार्थना कर रहा है कि उसे अत्यधिक देखभाल में रखा जाए, उसकी देखभाल की जाए। मैं सोचता हूँ कि गंभीर खतरा मृत्यु ही है।

वास्तव में, उसकी मृत्यु होने वाली है और वह ईश्वर से स्वयं को सुरक्षित रखने के लिए प्रार्थना कर रहा है। वह ईश्वर को एल के नाम से संबोधित करता है और यह ईश्वर को उसकी संपूर्णता में संदर्भित करता है। यह दिव्य उत्कृष्टता की सर्वोत्कृष्टता है कि वह सर्वशक्तिमान है और अपनी सारी सृष्टि पर हावी है।

इसलिए, वह उसे सुरक्षित रखने के लिए उसकी ओर देख रहा है जो स्वयं जीवन का रचयिता है और उसके शरीर सहित संपूर्ण सृष्टि का रचयिता है। वह परमेश्वर से ऐसा करने के लिए कह रहा है क्योंकि वह कहता है, वह एक अनुबंधित संबंध रखता है। मैं आपकी शरण लेता हूँ।

और इसलिए, मुझे वह पसंद है जो वीज़र यहाँ कहते हैं, यह एक निरंतर जीवन है। प्रार्थना का निरंतर जीवन वह स्वाभाविक तरीका है जिससे विश्वास जीवन में प्रकट होता है। तो, मैं अपना जीवन जीता हूँ।

मैं आपकी शरण लेता हूँ। और यहाँ एक विशेष मामले में, चूँकि मैं मृत्यु और कब्र का सामना कर रहा हूँ, मैं आपकी शरण ले रहा हूँ, सर्वशक्तिमान ईश्वर। अब आता है भरोसे का इकरार।

ये मौत से पहले भरोसे का कबूलनामा है। हमारे पास वाचा समुदाय के प्रति उनकी वफादारी की स्वीकारोक्ति है। और इसकी शुरुआत मैं हूँ के प्रति एकमात्र निष्ठा से होती है।

मैं कहता हूँ, मैं मानता हूँ, इसलिए, वह 'आई एम' से बात कर रहा है। लेकिन जब वह कहता है, मैं कहता हूँ मैं हूँ, तो मुझे ऐसा लगता है कि इसका मतलब यह होगा कि वहाँ एक मंडली थी जो उसकी प्रार्थना और भविष्यवाणी सुन रही थी। मैं कहता हूँ मैं हूँ।

और मैं कहता हूँ मैं हूँ, तू ही प्रभु है। और यह अडोनाई है, जिसका अर्थ है कि आप हर चीज़ पर स्वामी हैं। और मैं आपका दास हूँ।

मैं पूरी तरह आप पर निर्भर हूँ। और वह आगे कहता है, तुम्हारे अलावा मेरे पास कोई अच्छी चीज़ नहीं है। कहने का तात्पर्य यह है कि आप ही मेरा एकमात्र भरोसा हैं।

मैं किसी और चीज़ पर भरोसा नहीं कर रहा हूँ। तुमसे अलग होकर मेरा कुछ भी भला नहीं है। और वह पहचानता है कि हर अच्छा और उत्तम उपहार ऊपर वाले ईश्वर की ओर से आ रहा है।

वह न केवल ईश्वर के प्रति वफादार है और ईश्वर के अलावा उसका कोई भला नहीं है, बल्कि वह ईश्वर के लोगों के प्रति भी वफादार है। संत ही उसके एकमात्र सुख हैं। वह संतों को पवित्र लोगों के रूप में संदर्भित करता है।

ये वे लोग हैं जो परमेश्वर की क्षमा को स्वीकार करते हैं। वे भगवान पर निर्भर हैं। वे उसकी शक्ति पर निर्भर रहते हैं।

वे उसकी सक्षमता पर निर्भर रहते हैं जो उन्हें ईश्वर से अलग करती है। इसलिए, वे अपने विश्वास और अपने जीवन के द्वारा परमेश्वर से अलग किए गए हैं। मुझे लगता है कि वह भूमि में जोड़ता है ताकि वह पहचान सके कि यह वादा की गई भूमि होगी, मुझे लगता है।

लेकिन अगर उसके पास सिर्फ पवित्र लोग हों, तो इसका मतलब स्वर्गदूत हो सकता है। मुझे लगता है कि भूमि में पवित्र लोगों को शामिल करके, वह यहां किसी भी अस्पष्टता को दूर कर रहा है। वह यह कहने में सक्षम है कि यह वादा किए गए देश के लोग हैं जिनके साथ वह जुड़ा हुआ है।

बहुत सशक्त रूप से, वे महान लोग हैं। यहां कुलीन का अर्थ उत्कृष्टता और शक्ति के लिए सम्मानित है। वे सच्ची ताकत से जीते हैं।

मैं इसे 1 शमूएल 2 में हन्ना के गीत से लेता हूं, जहां वह ईश्वर को उसकी झूठी ताकत के साथ मानवीय ताकत पर सच्ची ताकत के रूप में बोलती है। इसलिए उनके पास शक्ति और शक्ति है क्योंकि वे स्वयं ईश्वर की सच्ची शक्ति पर निर्भर हैं। और वे सभी मेरी प्रसन्नता हैं।

अर्थात् पवित्र मण्डली के अलावा कोई भी प्रसन्नता उस रिश्ते को अपवित्र कर देगी। मुझे लगता है कि उनके मन में और भी अन्य लोग हैं, ताकि यदि आप संतों के अलावा उन लोगों में आनंदित हों, तो यह आपकी खुशी से समझौता कर सकता है। यह परमेश्वर के संतों में आपके आनंद को अपवित्र कर सकता है।

यह दूषित नहीं है, दूसरे शब्दों में यह शुद्ध है। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसे कौन प्रभु के घर तक चढ़ सकता है। यह सातवीं आज्ञा कहती है कि वे उन लोगों को घृणित मानते हैं जो नीच हैं, लेकिन वे उनका सम्मान करते हैं जो प्रभु से डरते हैं।

इसलिए, हमें परमेश्वर के लोगों से प्रेम करना चाहिए और हमें परमेश्वर के लोगों से प्रसन्न होना चाहिए और जब वे गलती करते हैं तो रोना चाहिए। वह धर्मत्यागियों के साथ पूजा करने से इनकार करता है। उनकी तकलीफें बढ़ जाएंगी।

दूसरे शब्दों में, वे दर्दनाक मौत की ओर अग्रसर हैं। उनका दर्द लगातार बढ़ता जा रहा है, जो उन्हें मौत की ओर इशारा कर रहा है। वे उन्हें महत्व और सुरक्षा देने के लिए किसी दूसरे ईश्वर की ओर देख रहे हैं, यानी किसी और की।

वह उनके पंथ में, पूजा के बाहरी रूपों में प्रवेश नहीं करेगा। वह उनका लहू तपावन नहीं उण्डेलेगा। अर्थात् वह उस पंथ में भाग नहीं लेगा।

वह पूरी तरह से मोज़ेक और डेविडिक पंथ से अलग हो गया है। पवित्र रहने के लिए मुख पर उनका नाम भी नहीं लेगा। उसके भरोसे का कारण, वह संकट में सहज है क्योंकि उदात्त ईश्वर उसका अधिकार है।

यह ईश्वर उसे वह सब कुछ प्रदान करता है जो उसके पास है। फिर, वेइसर की तरह, यदि मनुष्य अपने विचारों को ईश्वर के संभावित नियम की ओर मोड़ता है और कृतज्ञता और खुशी के साथ उस संभावित नियम की कल्पना करता है, तो उसे इस प्रकार अमूर्त लाभों को समझना सिखाया जाता है, जो उसके ईश्वर की परोपकारिता का दृश्य प्रमाण है। इसलिए, यदि आप हर चीज़ को ईश्वर से और उसकी व्यवस्था से आते हुए देखते हैं, और आप कृतज्ञता और खुशी के साथ उसमें आनन्दित होते हैं, तो आप समझेंगे कि आपकी सारी भलाई प्रभु से है क्योंकि ईश्वर हर चीज़ से ऊपर है और आप ईश्वर का जश्न मनाएंगे।

वह कहता है, मेरी विरासत यहोवा की ओर से है। और वह कहता है, आवंटित भाग, मेरा आवंटित भाग जो उस भाषा का उपयोग कर रहा है, मुझे लगता है, जब उन्होंने भूमि वितरित की और उन्होंने सीमा पत्थरों का उपयोग किया ताकि जब इज़राइल भूमि में प्रवेश करे, तो उन्होंने भूमि को जनजातियों के बीच विभाजित कर दिया। और वैसे भी, चिट्ठी डालने से प्रत्येक जनजाति को अपना हिस्सा महायाजक के अधीन मिल गया, जिसने संभवतः कलश और अंगूठे का उपयोग किया और भूमि को विभाजित किया।

तब प्रत्येक परिवार को भूमि में अपना-अपना भाग मिला। तब वह कहता है, परन्तु मैं तो अपना भाग हूँ। तो, वह लेवियों की तरह है।

दूसरे शब्दों में, मेरा वास्तविक भाग स्वयं ईश्वर है। जैसा कि मैंने कहा, भजन 73 में, यदि आपके पास इस दुनिया की सारी संपत्ति है और आपके एक हाथ में भगवान है और दूसरे हाथ में भगवान है, तो मैं भगवान को लेने जा रहा हूँ क्योंकि उसके पास सब कुछ है और वह अच्छा है। वह ईश्वर को मेरा प्याला कहता है।

यह सम्राट द्वारा राजा को पीने के लिए प्याला सौंपने का रूपक है। तो परमेश्वर उसका भाग निश्चित करता है। ईश्वर उसका अंश है और ईश्वर उसके पास जो कुछ भी है उसे निर्धारित करता है और ईश्वर उसकी नियति निर्धारित करता है।

तो, सब कुछ यह है कि वह ईश्वर के प्रति अपनी पूर्ण निष्ठा को समझता है और उसकी विरासत आई एम से है। यह कहता है, ऑगस्टीन, दूसरों को आनंद लेने के लिए अपने लिए सांसारिक और लौकिक भाग चुनने दें। भगवान में संतों का अंश शाश्वत है।

दूसरों को घातक सुखों का रस पीने दो। मेरे प्याले का भाग यहोवा है। और इसलिए जब वह कहता है, तुम दृढ़ता से पकड़ो, तो उसका मतलब यह होता है, मुझे लगता है कि तुम मेरी किस्मत तय करते हो।

उसे न केवल प्रभु विरासत में मिला है, बल्कि उसे वह सब कुछ भी विरासत में मिला है जो स्वयं रचयिता के पास है और सारी अच्छाइयां, सीमा रेखाएं, या उसके हिस्से को मापने वाली माप रेखाएं भी उसके पास आ गई हैं। वह मनभावन स्थानों में चिट्ठी डालना है। उसके पास न केवल। Am से विरासत है, उसके पास। Am से निर्देश भी है और वह अपने निर्देश के लिए। Am की प्रशंसा करता है।

जब वह कहता है, मैं भगवान को आशीर्वाद दूंगा, तो इसका मतलब है कि मैं 'आई एम' का उच्चारण करूंगा कि वह उसकी सभी लाभकारी, लाभकारी शक्ति का स्रोत है जिसे वह उसकी प्रशंसा करने वाले को उदारतापूर्वक प्रदान करता है। वह उसकी काउंसलिंग करता है। वह उसे सिखाता है कि कैसे जीना है।

और रात में भी वह उसे निर्देश दे रहा है। मेरा मानना है कि रात में कोई व्याकुलता नहीं होती है और वह जीवन के मंच पर नहीं है और पाखंडी ढंग से काम नहीं कर रहा है, जैसा कि हमने भजन 4 में देखा है। और उसकी अंतरात्मा शायद गुर्दे हैं, वे भावनाओं से जुड़े हुए हैं जैसा कि आप देख सकते हैं। मुझे लगता है कि वह शायद अपनी अंतरात्मा की बात कर रहा है, जिस तरह वह महसूस करता है कि क्या सही है और क्या गलत, वही उसे रात में निर्देश दे रहा है।

वह अपनी नजर आई एम पर रखता है और ईश्वर उसकी रक्षा करता है। मैं हमेशा 'मैं हूँ' रखता हूँ और वह उस पर अपनी नजर रखता है। और वह उस पर अपनी नजर कैसे रखता है? इसलिए मैं इसे दो तरीकों से सोचूंगा कि भगवान खुद को प्रकट करते हैं, अर्थात् पवित्रशास्त्र के माध्यम से और विवेक के माध्यम से।

वह अपने दाहिने हाथ पर है, सुरक्षा का स्थान। और वह कहता है कि मैं नहीं गिरूंगा। अब, मुझे बार्नहाउस का चित्रण पसंद है जब उसकी पत्नी की मृत्यु हो गई और उन्होंने शव को दफना दिया था।

वह दफ़न और कब्रिस्तान से वापस लौट रहा था, और वह फिलाडेल्फिया लौट रहा था। सूरज पूर्व दिशा में उनकी विंडशील्ड पर चमक रहा था। सूरज और उनकी कार के बीच एक बड़ा ट्रक या वैन आ गया।

मुझे लगता है कि उनके तीन बच्चे पिछली सीट पर थे। बार्नहाउस ने अपने बच्चों से कहा, आज हमारे साथ यही हुआ है। हम छाया से टकराए थे, लेकिन हम ट्रक से नहीं टकराए थे।

हम मृत्यु की छाया से प्रभावित हैं, लेकिन हम अनन्त मृत्यु से प्रभावित नहीं हैं। हम छाया से टकराते हैं, लेकिन ट्रक से नहीं। मुझे लगता है कि यह ईसाइयों के अनुभव का एक सुंदर चित्रण है।

क्या मैं आपसे श्लोक तीन में एक प्रश्न पूछ सकता हूँ? ज़रूर। जहां तक इस देश के संतों की बात है, वे उत्कृष्ट लोग हैं जिनसे मुझे पूरा आनंद मिलता है। हम उस बारे में बात कर रहे हैं।

मेरा मतलब है, आसान अनुप्रयोग ऐसे मुद्दे हैं, हमारे लिए कई अन्य चीजों, घरों, संपत्ति, प्रसिद्धि, भाग्य, इन चीजों में आनंद लेना बहुत आसान है। और यह निश्चित रूप से प्रभु के साथ हमारे रिश्ते को प्रभावित करता है, क्योंकि हमारा सारा आनंद उसमें नहीं है। लेकिन मैं सोच रहा था कि व्यावहारिक स्तर कहां है? मेरा मतलब है, हम दोस्तों में प्रसन्न होते हैं, हम उन पड़ोसियों में प्रसन्न होते हैं जो ईसाई नहीं हैं जिनके साथ हम गवाही के साथ संबंध बनाना चाहते हैं।

मेरा मतलब है, इसका मतलब यह है कि मेरी सारी खुशी किसमें है। क्या सचमुच हमें यही करना चाहिए? हाँ, मुझे लगता है कि वह वास्तव में विरोधाभासी है। बाद में वह भौतिक संपत्ति, सीमा रेखा जो ईश्वर से आती है, के बारे में बात करता है।

और इस कारण वह परमेश्वर में अपना पूरा भला पाता है, परन्तु परमेश्वर उसे भला देता है। वह ईश्वर को अपनी सभी अच्छाइयों के स्रोत के रूप में देखता है। लेकिन यहां, मुझे लगता है कि वह जीवन में अपनी वफादारी के बारे में बात कर रहा है और उसकी वफादारी संतों के साथ है और वह धर्मत्यागी को अस्वीकार करता है।

इसलिए, मुझे लगता है कि यह उन लोगों के प्रति किसी भी निष्ठा के विपरीत उनकी खुशी है जो एक अलग धर्म के प्रति वफादार हैं। मुझे लगता है कि यही इसका संदर्भ है। इसलिए मुझे लगता है कि यह धार्मिक रिश्तों में है कि उसे झूठी पूजा में कोई आनंद नहीं है।

उसकी सारी प्रसन्नताएँ वे हैं जो परमेश्वर के साथ वाचा रखती हैं। ठीक है। धन्यवाद।

क्या वह मदद करता है? मेरा मतलब है, कभी-कभी ऐसा लगता है कि पवित्रशास्त्र में, आप इसे पढ़ सकते हैं और यह अति निरपेक्ष है। तब जब आप इसे वास्तविक जीवन के विरुद्ध रखने का प्रयास करते हैं। मुझे लगता है यह बिल्कुल सच है।

मैं इसे विशेषकर भजनों में पाता हूँ। लेकिन फिर, आप देखिए, मुझे लगता है कि इस मामले में भी, आपके पास अंततः यह यीशु के संदर्भ के रूप में है। उसका सारा आनंद वाचा समुदाय में था, लेकिन भगवान ने दुनिया से इतना प्यार किया कि इस तरह उसने अपने बेटे को मरने के लिए दे दिया।

परन्तु वह संसार में प्रसन्न नहीं होता। संसार में उसका सुख नहीं है। इसलिए मुझे लगता है कि यीशु को इसमें कोई खुशी नहीं मिली, उन्होंने पापी से प्यार किया और पापी को जीत लिया, लेकिन उन्हें पाप में खुशी नहीं हुई।

वह व्यभिचारी से कहेगा, फिर पाप न करना। इसलिए, मुझे लगता है कि उसे पाप में कोई आनंद नहीं था। इसलिए, मुझे लगता है कि इसकी जांच करना अच्छा है।

हाँ। लेकिन निष्ठा के मुद्दों को लागू करना आसान है। मेरा मतलब है, यह एक तरह से है, आप जानते हैं, जब तक आप अपनी माँ और पिता से नफरत नहीं करते, आप मेरे योग्य नहीं हैं।

वह यह नहीं कह रहा है कि उनसे नफरत करो, बल्कि वह यह कह रहा है कि मैं प्राथमिक निष्ठा की मांग करता हूँ। उस स्थिति में यदि तनाव है, तो आपको दूसरे को अस्वीकार करना होगा। हाँ।

ठीक है। हम पृष्ठ 322 तक हैं। और अब हमारे पास भगवान के प्रति शव की प्रतिबद्धता है।

वह मृत्यु में ईश्वर की उपस्थिति के प्रति आश्वस्त है और उसका शरीर सुरक्षित है, इस बात से उसकी भावनाएं प्रसन्न हैं। वह कहते हैं, इसलिए, जीवन में 'आई एम' पर उनके विश्वास और ईश्वर के साथ उनके संबंध, ईश्वर के साथ उनके अनुभव के कारण, वह मृत्यु में ईश्वर की सुरक्षा के प्रति आश्वस्त हैं। वह अपने दिल और अपने जिगर के बारे में बात करते हैं।

मुझे सच में लगता है कि वह अपनी पूरी भावनात्मक स्थिति का जिक्र कर रहा है। उगारिटिक पाठ में, हमें इस विशेष मिथक में कसाईखाने में अनात की खुशी के बारे में बताया गया है, उसका कलेजा हँसी से फूल जाता है। उसका हृदय खुशी से भर जाता है।

अनात का कलेजा ऊंचा हो गया। तो, मुझे लगता है कि यह वास्तव में उसकी पूरी भावनात्मक स्थिति को संदर्भित करता है कि जैसा कि उसने अपने विश्वास के माध्यम से सोचा था कि भगवान उसकी विरासत है, भगवान उसकी नियति रखता है। उसके पास जो भी अच्छाई है वह ईश्वर की ओर से है।

वह सब कुछ ईश्वर की व्यवस्था में और विश्वास और विश्वास और रिश्ते के उस जीवन में देखता है, अब जब मैं मृत्यु का सामना कर रहा हूँ, मैं अभी भी आपके साथ हूँ। और वह आनन्द से परिपूर्ण है क्योंकि वह अपने परमेश्वर को जानता है। यह खुशी और खुशी है क्योंकि उसका विश्वास, उसकी निश्चितता कि भगवान उसके शरीर को अंतिम शब्द सुनने के लिए कब्र में नहीं सौंपेंगे।

इसके अलावा, और खुशी के साथ, मृत्यु का सामना करने वाला उसका शारीरिक शरीर भी सुरक्षित रहता है। इसका कारण यह है कि परमेश्वर उसे नहीं सौंपेगा और उसे मृतकों के राज्य अधोलोक में नहीं छोड़ेगा। वह अपने समर्पित व्यक्ति को अनुमति नहीं देगा, अर्थात्, उसने खुद को भगवान और उसके समुदाय के प्रति पूरी तरह से समर्पित दिखाया।

तो वह समर्पित है। वह भ्रष्टाचार की तलाश नहीं करेंगे। यहां हम महत्वपूर्ण शब्द पर आते हैं, जो शब्द है, शचट।

जैसा कि मैंने इसके माध्यम से अपने तरीके से सोचने की कोशिश की, मुझे सबसे पहले यह तय करना था कि हम एक समानार्थी शब्द के साथ काम कर रहे हैं या नहीं। वह यह कि यदि शचत् धातु से बना है तो शुआच। शुआच का अर्थ है उतरना।

और फिर यदि आप एक टी जोड़कर इसे स्त्रीवाचक संज्ञा बनाते हैं, तो इसका अर्थ होगा गड्ढा, अवतरण का स्थान। तो, यदि यह शुआच से लिया गया है, तो शब्द के अंत में टी एक स्त्री प्रत्यय है। हम इसे स्त्रीलिंग कहते हैं क्योंकि जब आप जानवरों के साथ काम कर रहे होते हैं, तो यह स्त्रीलिंग को पुल्लिंग के विपरीत अलग पहचान देता है।

यह अत्यधिक सरलीकरण है, लेकिन मूल रूप से, एनिमेट के साथ, आप स्त्री लिंग के बारे में बात कर सकते हैं। लेकिन हिब्रू उस रूप का उपयोग करता है, न केवल चेतन के लिए बल्कि अमूर्त के लिए, निर्जीव के लिए, जैसे कि गड्ढे, उदाहरण के लिए, एक निर्जीव। इसका प्रयोग किया जाता है, उदाहरण के लिए, स्त्रीलिंग का प्रयोग ज्ञान जैसे अमूर्तन के लिए किया जाता है।

तो, यह अंत, यह रूप, जिसे हम चेतन स्त्रीलिंग कहते हैं, वह रूप निर्जीव और अमूर्त के साथ प्रयोग किया जाता है और हम अभी भी इसे स्त्रीलिंग कहते हैं। ठीक है। तो, कोई भी सवाल नहीं करता है कि एक धातु शचट है, जो शुआच से स्त्रीलिंग रूप से शचट है, स्त्रीलिंग रूप का मतलब गड्ढा है और यह शुआच धातु से है।

हर कोई सहमत है कि यह एक संभावना है। सवाल यह है कि क्या कोई रूट शचैट है? इस स्थिति में T मूल का ही भाग है। यह त्रिपक्षीय जड़ है।

यह मूल का ही तीसरा अक्षर है। उस स्थिति में, यह पुल्लिंग है। तो, अब आप यह कैसे प्रदर्शित कर सकते हैं कि पुल्लिंग संज्ञा होती है? मुझे लगता है आप यह कर सकते हैं।

मैं सुझाव और तर्क दे रहा हूँ कि आप इसे कविता के माध्यम से कर सकते हैं। कविता में, चूंकि हिब्रू में सभी संज्ञाएं या तो पुल्लिंग विभक्ति में हैं या स्त्री विभक्ति में हैं, जब आप किसी निर्जीव या अमूर्त को व्यक्त करते हैं, और आप इसे स्त्री ज्ञान की तरह एक व्यक्ति में बनाते हैं, तो आपको लिंग के अनुसार व्यक्तित्व बनाना होगा संज्ञा। तो, इसलिए, यदि यह एक स्त्री रूप है, भले ही यह एक अमूर्तता की तरह कुछ है, ज्ञान की तरह, और फिर आप इसे मूर्त रूप देते हैं, तो यह स्त्री ज्ञान, महिला ज्ञान बन जाता है।

आप हिब्रू कविता या किसी भी कविता में स्त्रीवाचक संज्ञा नहीं ले सकते और उसे पुल्लिंग संज्ञा के रूप में व्यक्त नहीं कर सकते। अब, यदि यह एक पुल्लिंग संज्ञा है, तो आपको इसे पुल्लिंग में व्यक्त करना होगा। अय्यूब अध्याय 17, श्लोक 14 में बिल्कुल यही होता है।

यहाँ नौकरी है। यदि मैं शचत से कहूँ, तुम मेरे पिता हो, और कीड़ा रीमा से कहो, वह स्त्रीलिंग है, मेरी माँ और मेरी बहन। वहाँ वह स्पष्ट रूप से शचैट को पुल्लिंग के रूप में उपयोग कर रहा है क्योंकि वह इसे मेरे पिता के रूप में दर्शाता है।

पूर्ण रूप में स्त्रीवाचक संज्ञा रीमा है, लेकिन अन्य रूपों में यह टी बन जाती है। वह है मेरी माँ और मेरी बहन। तो, मैंने अब यह स्थापित कर लिया है कि एक पुल्लिंग संज्ञा है जो बीडीबी ने मुझे नहीं दी या एक संभावना के रूप में स्वीकार नहीं की। तो फिर सवाल यह है कि कौन सा समानार्थी शब्द एक दृष्टिकोण है? और यहां मुझे उन क्रियाओं को देखना है जो इसके साथ जुड़ी हैं।

मैंने पाया कि पिट क्रिया के साथ, नीचे जाना, उतरना लगभग हमेशा गति की एक क्रिया है। तो, तुम्हें उतरना होगा, प्रवेश करना होगा, नीचे जाना होगा। यह किसी स्थान को दर्शाता है, किसी राज्य को नहीं।

लेकिन इसका तात्पर्य पुरुषत्व और परिस्थिति से है। फिर आप एक क्रिया का उपयोग करते हैं जैसे देखना, जिसका अर्थ है अनुभव करना। इसलिए, वह यहां गति की क्रिया का उपयोग नहीं करता है।

तुम मुझे अनुभव नहीं करने दोगे. आप मुझे भ्रष्टाचार देखने नहीं देंगे. इसलिए, पुराने नियम में कई जगहें जहां शचैट होता है और सेप्टुआजेंट इसकी व्याख्या भ्रष्टाचार के रूप में करता है, सेप्टुआजेंट ने इसे सही पाया और बीडीबी ने इसे गलत पाया।

यह मेरा तर्क है. मुझे लगता है कि यह एक मजबूत मामला है कि इसका मतलब वास्तव में भ्रष्टाचार है। तो मेरा निष्कर्ष यह है कि सेप्टुआजेंट और एनआईवी और ईएसवी सहित अन्य प्राचीन संस्करण सही हैं।

न डीबीडीबी, न हेलोट, न यहूदी प्रकाशन, न नई अमेरिकी बाइबिल, न नया आरएसवी। तो, इसलिए, मैं तर्क दूंगा कि यह एक सच्ची भविष्यवाणी है कि ईसा मसीह तीसरे दिन पुनर्जीवित हो जायेंगे क्योंकि वह भ्रष्टाचार नहीं देखेंगे। इसलिए, वह ईश्वर और मृत्यु के बाद उसकी उपस्थिति के प्रति आश्चर्य है।

वह एक निरंतरता है. उसका प्रतिफल निरंतरता है। मैं यहां बाह्य प्रेरणा और आंतरिक प्रेरणा के बीच अंतर बताता हूं।

तो, मैं कहता हूं, एक माता-पिता एक बच्चे को आइसक्रीम कोन के साथ पियानो पर स्केल का अभ्यास करने के लिए पुरस्कृत कर सकते हैं, लेकिन इनाम का निवेश से कोई संबंध नहीं है। यह बाह्य प्रेरणा है. हालाँकि, ईश्वर का प्रतिफल निवेश को पूरा करता है।

जो बच्चा आज अभ्यास करता है वह कल सुंदर संगीत बजाने की आशा कर सकता है। इसलिए इस संसार में ईश्वर के साथ संगति का आनंद अत्यधिक आनंद के प्रतिफल के रूप में प्राप्त होगा जब हम मृत्यु के बाद उसे आमने-सामने देखेंगे। खुशी के आँसू नदी की तरह बहेंगे।

तो, यह इस जीवन में अभ्यास की एक निरंतरता है और आपकी परिपक्वता में सुंदर संगीत बजाने में सक्षम होने से पुरस्कृत होता है। तो, यह न केवल जीवन की मात्रा है, बल्कि जब यह जीवन कहता है, तो इसका मतलब न केवल शाश्वत जीवन की मात्रा है, बल्कि यह सच्चे जीवन में भाग लेने की जीवन गुणवत्ता है। सच्चा जीवन स्वयं ईश्वर है।

यह ईश्वर के साथ संगति में प्रचुर जीवन है और मात्रात्मक रूप से यह शाश्वत है। यह वास्तव में जीवन है. यही हमारी आशा है.

इसलिए, मैंने प्रार्थना की कि हम अपने विश्वास में सार, अपने जोश में जोश और अपनी स्वीकारोक्ति में आत्मविश्वास जोड़ेंगे, और जब हम मृत्यु की परीक्षा लेंगे तब भी हम निष्ठा के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।



यह भजन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ब्रूस वाल्टके हैं। यह सत्र संख्या 25, मसीहाई भजन, भजन 16, भाग 2 है।